गड़बड़झाला | मझौली में प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़ा घोटाला

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो जवाबदेही किसकी?

नवभारत, मझौली, जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे महत्वाकांक्षी योजना 'प्रधानमंत्री आवास योजना' (पीएमएवाए), जिसका लक्ष्य हर गरीब के सिर पर पक्की छत देना है।

लेकिन अब मझौली क्षेत्र में पीएम आवास विवादों के घेरे में है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत हुए खुलासों ने नगर परिषद और राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आरटीआई में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

एक स्थानीय जागरूक नागरिक द्वारा वर्ष 2018 से 2022 के बीच स्वीकृत आवासों की जानकारी मांगी गई थी। हैरानी की बात यह है कि प्रशासन ने जो जानकारी उपलब्ध कराई, वह न केवल अधूरी है बल्कि कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी रिकॉर्ड से गायब बताए जा रहे हैं।

प्रशासन की चुप्पी ने बढ़ाया शक

गायब पटवारी प्रतिवेदन: योजना के लाभ के लिए पटवारी की रिपोर्ट अनिवार्य होती है, लेकिन आरटीआई में यह रिकॉर्ड नहीं दिया गया। बताया जाता है कि हितग्राहियों के खसरा और भू-अभिलेख से जुड़ी जानकारी को छुपाया गया है।

दी गई भ्रामक जानकारी

वार्डवार स्पष्ट सूची देने के बजाय गोल-मोल जवाब देकर मामले को टालने की कोशिश की गई।

अपात्रों को पहुंचाया लाभ?

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि नगर परिषद और पटवारियों की मिलीभगत से मझौली में अपात्र और संपन्न लोगों को आवास योजना का लाभ पहुँचाया गया है।

साठगांठ का खेल

आरोप है कि आर्थिक लाभ लेकर पात्र गरीबों के नाम सूची से काटकर रसूखदारों के नाम जोड़ दिए गए।

दस्तावेजों की चोरी

रिकॉर्ड का गायब होना इस ओर इशारा करता है कि साक्ष्यों को जानबूझकर मिटाया जा रहा है ताकि घोटाला सामने न आए।

मझौली की जनता अब इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रही है। यदि निष्पक्ष जांच होती है, तो यह जबलपुर जिले का सबसे बड़ा आवास घोटाला साबित हो सकता है। क्या प्रशासन दोषियों को बचा रहा है या फिर राज्य सूचना आयोग के डंडे के बाद सच बाहर आएगा?

मामला पहुंचा राज्य सूचना आयोग, भोपाल

प्रशासनिक अधिकारियों के ढुलमुल रवैये और जानकारी छुपाने की प्रवृत्ति के खिलाफ अब अपील राज्य सूचना आयोग, भोपाल में दर्ज कराई गई है। आयोग के हस्तक्षेप के बाद अब संबंधित विभाग के अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

इनका कहना है

नियम कहता है कि 'गरीबों का हक मारना अपराध है। अगर किसी सक्षम व्यक्ति ने गलत तरीके से आवास लिया है और इसमें अधिकारी शामिल हैं, तो उन पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए।'

बारेलाल स्थानीय निवासी

भक्ति, प्रेम और सत्य का ही मार्ग दिखाता सही रास्ता

बूढ़ी माई दरबार कटंगी में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा जारी

नवभारत, कटंगी, जबलपुर। दुर्गा चौक स्थित बूढ़ी माई दरबार बजरिया कटंगी में आयोजित सप्तदिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवतकथा में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। जारी कथा के दौरान आज श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह का पावन प्रसंग श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ ।

कथा स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा श्रवण कर रहे हैं। कथा व्यास डॉ पं. दिनेश द्विवेदी संस्थापक नारायण वैदिक वास्तु संस्थान सुहागी जबलपुर द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के दिव्य विवाह प्रसंग का विस्तार से रसपूर्ण वर्णन किया गया , जिसे सुनने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया ।

व्यास पीठ से महाराज ने धर्म और ज्ञान के गूढ़ अर्थ बताते हुए कहा कि रुक्मिणी विवाह सिर्फ एक सांसारिक घटना नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जीवन में भक्ति, प्रेम और सत्य का मार्ग ही हमें सही दिशा दिखाता है, और यही सच्चा धर्म है। इस ज्ञान को सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, जिन्होंने भक्तिभाव से प्रवचन का लाभ लिया। रुक्मिणी विवाह प्रसंग के दौरान विशेष पूजा-अर्चना एवं भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया । श्रद्धालुओं ने इस पावन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सुरेशचन्द्र अग्रवाल, सुभाष चन्द्र अग्रवाल ,अनंत अग्रवाल, रममू अग्रवाल अन्नू अग्रवाल ,संदीप अग्रवाल सहित नगर से बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे। यह धार्मिक आयोजन क्षेत्र में भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर रहा है ।

नम्रता स्पेशल स्कूल में होम्योपैथी स्वास्थ्य शिविर का समापन

पाटन। ग्रामीण क्षेत्र में दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास हेतु कार्यरत अशासकीय संस्था नम्रता शिक्षा एवं पुनर्वास परिषद द्वारा पाटन नगर में संचालित नम्रता स्पेशल स्कूल में अनुश्री होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज के तत्वाधान में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया अनुश्री होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज की ओर से डॉ. आदित्य पचौरी, डॉ. नगमा, डॉ. डीके डॉ जोया मंसूरी एवं वॉलिंटियर्स ने निशुल्क सेवाएं दीं। इस स्वास्थ्य शिविर में विशेष रूप से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जबलपुर से सहायक संचालक सुश्री सोनम बर्वे उपस्थित रही संस्था सचिव श्री नितिन विश्वकर्मा ने बताया कि इस शिविर में 162 हितग्राहियों को आवश्यकता अनुसार जांच एवं होम्योपैथिक दवाइयां उपलब्ध कराई गई है जिसमें 35 बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को भी शिविर का लाभ प्राप्त हुआ है। स्वास्थ्य शिविर में पूर्व जिला पंचायत सदस्य समाजसेवी श्री उदयभान सिंह, वार्ड पार्षद श्री दीपक जैन,श्री सत्यम मेहरा नम्रता स्पेशल स्कूल से रेशु श्रीवास्तव,सत्या मिश्रा एवं नीतू जी आदि उपस्थित रहे

बीड़ी श्रमिकों के लिए लगाया नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

शासकीय योजनाओं की विस्तार से दी गई जानकारी

नवभारत, कटंगी, जबलपुर। भारत सरकार श्रम एवं रोज़गार कल्याण मंत्रालय द्वारा बीड़ी श्रमिक कल्याण निधि औषधालय कटंगी वार्ड नंबर 11 रंगरेज़ मोहल्ला एवं वार्ड नम्बर 3 प्रेम नगर में अलग अलग दिन बीड़ी श्रमिकों हेतु स्वास्थ्य व जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जहां पर स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क औषधि का वितरण भी मौक़े पर किया गया।

बीड़ी श्रमिक कल्याण औषधालय कटंगी की प्रभारी चिकित्सा डा. विश्वा चौरसिया ने भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मन धन योजना के बारे में श्रमिकों को अवगत कराया । उन्होंने बताया कि भारत सरकार की एक पेंशन योजना है जो असंगठित क्षेत्र के मज़दूरों के लिए शुरू की गई है योजना का उद्देश्य बुढ़ापे में सुरक्षा देना है ताकि मज़दूरों को 60 वर्ष के बाद नियमित पेंशन मिल सके। आपकी उम्र के अनुसार हर महीने के योगदान देना होता है 18 साल पचपन रुपया प्रतिमाह ,पच्चीस साल 80 रुपया प्रतिमाह, तीस साल 105 रुपया प्रतिमाह ,200 रुपया प्रतिमाह इसमें जितना पैसा आप जमा करते हैं सरकार भी उतना ही पैसा अंशदान के रूप में जमा करती है। साठ साल की उम्र के बाद हर महीने तीन हज़ार रुपया पेंशन मिलेगी यदि लाभार्थी की मृत्यु हो जाए तो पति या पत्नी को 15 सौ रुपया पारिवारिक पैंशन के रूप में मिलेगा आवेदन किसी भी ऑनलाइन सेंटर से रजिस्ट्रेशन करवाकर हो सकता है । जिसमें आधार कार्ड बैंक खाता आवश्यक है और साथ में मोबाइल नंबर भी देना होगा ।

इसके साथ ही अंत में पेंशन योजना के लाभ भी बताएँ जिसमें यह पेंशन परिवार को सुरक्षा प्रदान करेगी बड़ा लाभ यह होगा इसमें सरकार भी आप के बराबर पैसा जमा करेगी और कम पैसे में पेंशन की सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य शिविर में अंजली उईके, लक्ष्मी झारिया सहित सैकड़ों की संख्या में बीड़ी श्रमिक उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पर टिप्पणी से भड़के कांग्रेसी

पुराना बस स्टैंड में असम के मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

सिहोरा। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व सरमा द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर की गई कथित अपमानजनक अमर्यादित टिप्पणी से कांग्रेस पार्टी नेता कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा भड़के नेताओं ने गुरुवार की दोपहर में पुराना बस स्टैंड में जहां असम के मुख्यमंत्री का पुतला फूंका वही पुलिस थाने पहुंचकर असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर थाना प्रभारी को भारत के राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। राज्यसभा सदस्य विवेक कृष्ण तंखा विधायक लखन घनघोरिया महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बरसिया के मार्गदर्शन जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर ग्रामीण उपाध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व प्रदेश सचिव मंजू मिश्रा की अगुवाई राज्यसभा सदस्य प्रतिनिधि बाबा कुरैशी प्रदेश सचिव राजेश चौबे महासचिव अमोल चौरसिया नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन सोनी के संयोजन में हुए विरोध प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बिहारी पटेल वरिष्ठ सुबोध पांडे सुरेंद्र मिश्रा प्रकाश कुरैरिया पार्षद कल्पना आलोक पांडे ममता गोटिया रमेश पटेल माधुरी गणेश दहिया के साथ ब्लॉक कांग्रेस नगर कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता शामिल थे।

कथा श्रवण से भगवान की निर्मल भक्ति की प्राप्ति : नृसिंह देवाचार्य

श्रीकृष्ण का जन्म होते ही झूम उठा कथा पंडाल

सिहोरा। भागवत कथा के श्रवण से भगवान की निर्मल भक्ति की प्राप्ति होती है शक्ति और सामर्थ का उपयोग समाज सेवा के लिए करने से व्यक्ति को यश कीर्ति प्राप्त होने के साथ उसकी आयु बढ़ती है। भगवान हमेशा जीव का उद्धार करने के लिए जन्म लेते हैं उक्ताशय के उदगार गीता धाम जबलपुर के महंत परम पूज्य स्वामी नृसिंह देवाचार्य जी ने हरि हर धाम प्रज्ञा बिहार कालोनी में जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, देववती अग्निहोत्री के संयोजन में चल रही सप्त दिवसीय भागवत कथा में मत्सय चरित्र, अजामिल उपाख्यान, नृसिंह अवतार, वामन अवतार, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर व्यासपीठ से व्यक्त किए। आगे कहा जब व्यक्ति के जीवन में धर्म का छय होता है तथा कलयुग के कारण जो व्यक्ति को कष्ट मिलता है तो उससे मुक्ति दिलाने एंव धर्म की स्थापना करने भगवान जन्म लेते हैं आगे कहा भगवान के जन्म को लोग भूल जाते हैं तो व्यक्ति को बोध कराने भगवान जन्म लेते है। जब कंश को आकाशवाणी से पता चला की देवकी की आठवीं संतान उसकी मृत्यु का कारण बनेगी तो वसुदेव देवकी के छ पुत्रों की कशं ने हत्या कर दी। देवकी के आठवें पुत्र के रुप में जब भगवान कृष्ण ने आधी रात को अवतार लिया तो कारागार के ताले अपने आप खुल गए और वासुदेव कृष्ण को टोकरी में रखकर गोकुल में छोड़ आए और वहां से माया रूपी बालिका को अपने साथ ले आए इधर जब कंश बच्चे के रोने की आवाज सुना तो कारागार की तरफ दौड़ पड़ा उनके हाथों से छीनकर जैसे ही उसने माया को जमीन पर पटकने का प्रयास किया तो वह उसके हाथ से छूटकर आकाश में चली गई और कहा की तुझे मारने वाला गोकुल में जन्म ले चुका है। आगे कहा भगवान की भक्ति करने से व्यक्ति के जीवन के सारे विकार समाप्त हो जाते है। भगवान जिस पर प्रसन्न हो जाते हैं उसे अपना रुप दे देते हैं। जिससे व्यक्ति के मन में भक्ति प्रगट हो जाती है तो उससे उसका जीवन सफ़ल हो जाता है। आगे कहा कलयुग में भगवान का नाम अमृत है जीवन में व्यक्ति जब शुभ कर्म करता है तो वह कर्म उसके जन्म जन्मांतर तक काम आते हैं ।जब व्यक्ति भगवान का भक्त होता है तो भगवान उसका ध्यान रखते हैं। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म होते ही कथा पंडाल में बैठे भक्त गण खुशी से नृत्य करने लगे। कथा के पूर्व सांसद आशीष दुबे, विधायक संतोष बरकडे, बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडे, पूर्व विधायक दिलीप दुबे, नंदनी मरावी, अनुपम सराफ,राजेश दहिया, पुष्पराज बघेल, नीलू बाजपेयी, सतीश पटेल, शिशिर पांडे, राजा मोर, शैलेन्द्र अग्निहोत्री, पंकज अग्निहोत्री, सारांश अग्निहोत्री आदि ने व्यासपीठ ने का पूजन किया।

सुदामा चरित्र : मित्रता और त्याग की अनूठी मिसाल

सिहोरा। ग्राम गुना बचैया में कथा के अगले चरण में मानस मर्मज्ञ आनंद कृष्ण शास्त्री जी ने भगवान कृष्ण और सुदामा की अटूट मित्रता का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार दरिद्रता के बावजूद सुदामा ने अपने स्वाभिमान को जीवित रखा और जब वे द्वारिका पहुँचे, तो स्वयं भगवान ने नंगे पैर दौड़कर अपने सखा का स्वागत किया। शास्त्री जी ने कहा कि सुदामा चरित्र हमें सिखाता है कि भक्ति में धन नहीं, बल्कि शुद्ध भाव प्रधान होता है। इस भावपूर्ण प्रसंग को सुनकर मुख्य यजमान श्री कृष्ण गर्ग व श्रीमती मीना गर्ग सहित उपस्थित जनसमूह की आँखें नम हो गईं। कथा के अंत में शीतल दुबे, सुरेन्द्र तिवारी, अर्जुन गर्ग, योगेन्द्र मिश्रा, विजय दुबे और वासु गर्ग ने व्यास पीठ का विधि-विधान से पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। परीक्षित मोक्ष के साथ ही समूचा पांडाल 'राधे-राधे' के उद्घोष से गुंजायमान रहा।

संगीतमय सुंदर कांड का हुआ आयोजन

नवभारत, बेलखाडू, जबलपुर। कटंगी रोड बेलखाडू में डॉक्टर भगत चिकित्सालय के बाजू से दोपहर में संगीतमय सुंदर कांड का आयोजन रखा गया जो शाम 7 बजे तक चलता रहा । विभिन्न धार्मिक भजनों पर श्रोतागण झूम उठे। इस अवसर पर रजनीश नगाइच, हिमांशु रजक, निर्मल रजक, ब्रजेश शुक्ला, अरविंद शिवहरे, रवि पटेल सदन शुक्ला, भोजराज नेमा, लोकेश, जानू साहू सहित अनेकों महिला पुरुष श्रोतागण उपस्थित रहे।

निधन

आरपी श्रीवास्तव

जबलपुर। अधारताल जवाहर नगर निवासी व्हीकल प्रायमरी स्कूल से रिटायर्ड शिक्षक आर पी श्रीवास्तव का निधन हो गया है। वे संजय, नीरजा, और अर्चना के पिता थे। अंतिम यात्रा निज निवास से आज सुबह 10 बजे गौरीघाट मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी।

श्रीमती शारदा कोहली

इंदिरा स्कूल के पास कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्रीमती शारदा कोहली का निधन हो गया। वे अधिवक्ता अमित कोहली की माताजी रहीं। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रवण कुमार नामदेव

समदड़िया ग्रीन कॉलोनी विजयनगर निवासी श्रवण कुमार नामदेव का 69 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वे श्रेय नामदेव के पिता, बिहारीलाल, मुरारीलाल, मनोहरलाल, हरिशंकर और जगदीश के भाई थे। अंतिम यात्रा आज दोपहर 11 बजे निज निवास से ग्वारीघाट मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

संजय उपाध्याय बने उपाध्यक्ष

पनागर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जिला शहर जबलपुर इकाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। संगठन को मजबूत करने और आगामी गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से इस नई टीम में अनुभवी और युवा नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।घोषित कार्यकारिणी में संजय उपाध्याय को जिला शहर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। उनकी नियुक्ति को संगठन में नई ऊर्जा और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि संजय उपाध्याय के अनुभव और कार्यशैली से संगठन को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी।

नई कार्यकारिणी में अन्य पदों पर भी कई नेताओं को स्थान दिया गया है, जिससे संगठनात्मक ढांचे को संतुलित और प्रभावी बनाया जा सके। पार्टी नेतृत्व ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई है कि वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का कार्य करें।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।नई टीम के गठन के साथ ही जिला कांग्रेस आगामी चुनावों और संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों में जुट गई है।

पीसीओ राजेश मिश्रा हुए सेवानिवृत्त, किया सम्मान

नवभारत, बेलखाडू, जबलपुर। जनपद पंचायत पनागर में पदस्थ पंचायत समन्वयक अधिकारी (पीसीओ) राजेश मिश्रा का मोहास सेक्टर के ग्राम पंचायत भवन सूरतलाई में सेवा निवृत्ति उपरांत विदाई समारोह किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पनागर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी आयुषी उपाध्याय एव इंजीनियर प्रशांत कुरारिया एवं ग्राम पंचायत सूरतलाई के सरपंच बालकिशन पटेल, सचिव नंदकिशोर पटेल, मनीष पटेल, अमोल तोमर,चंद्रशेखर पटेल, मयंक बड़गैया ,सुनील कुमार, रोहित, पशु चिकित्सक डॉ संतोष गुप्ता, रोजगार सहायक सुबोध शर्मा, अरविंद पटेल, सौरभ सिंह परिहार, बाबूलाल अहिरवार, प्रियंका चढ़ार ,पूजा गुप्ता एवं ग्राम पंचायत सूरतलाई के समस्त पंच तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

मनमर्जी | आरटीआई के तहत मांगी जानकारी में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

मझौली नगर परिषद कागजों पर 'शून्य', खजाने में लाखों

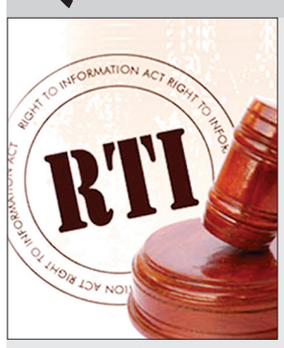

नवभारत, मझौली, जबलपुर। शासन के नियमों की धज्जियाँ कैसे उड़ाई जाती हैं, इसका जीता-जागता उदाहरण नगर परिषद मझौली में देखने को मिल रहा है। यहाँ 'हाट-बाजार' के नाम पर एक ऐसा खेल चल रहा है जहाँ रिकॉर्ड और हकीकत के बीच जमीन-आसमान का अंतर है।

वार्ड नंबर 12 निवासी सुंदर लाल बर्मन द्वारा सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी ने परिषद के दावों की पोल खोल दी है। परिषद का आधिकारिक जवाब है कि उनके पास साप्ताहिक हाट-बाजार के लिए शासकीय भूमि के आवंटन से संबंधित कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। अब बड़ा सवाल यह उठता है कि अगर रिकॉर्ड में बाजार के लिए जमीन ही आवंटित नहीं है, तो फिर परिषद किस अधिकार से हर साल 15 से 18 लाख रुपये का ठेका क्यों दे रही है?

रिकार्ड के अभाव में माना जाएगा गबन का मामला

नगरीय प्रशासन के विशेषज्ञों के अनुसार, किसी भी सार्वजनिक वसूली के लिए संबंधित भूमि का रिकॉर्ड और आवंटन आदेश अनिवार्य है। यदि परिषद के पास रिकॉर्ड नहीं है, तो पिछले वर्षों में की गई नीलामी और वसूली को अवैध' माना जा सकता है, जो कि सीधे तौर पर गबन का मामला बनता है।

जागरूक नागरिकों ने उठाई जांच की मांग

मझौली के नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर जबलपुर से मांग की है कि नगर परिषद के पिछले 5 वर्षों के हाट-बाजार ठेकों का स्पेशल ऑडिट कराया जाए। आरटीआई में भ्रामक जानकारी देने वाले या रिकॉर्ड गायब करने वाले बाबू और अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो। एवं हाट-बाजार में व्यापारियों के लिए बुनियादी सुविधाओं का निर्माण तुरंत शुरू किया जाए।

तीन मुख्य बिंदु

- अवैध वसूली का अंदेशा :बिना आवंटन रिकॉर्ड के व्यापारियों से वसूली करना वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। क्या यह पैसा सरकारी खजाने में जा रहा है या कहीं और?
- गुमराह करने वाला जवाब :2023 में मांगी गई जानकारी का 2026 में 'जानकारी नहीं है' कहकर जवाब देना, अधिकारियों की कार्यप्रणाली और मंशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है।
- सुविधाओं का अकाल: लाखों का राजस्व देने वाले व्यापारियों को न पीने का पानी मिलता है और न ही शौचालय की व्यवस्था। गंदगी के बीच व्यापार करने को मजबूर दुकानदार अब मुखर हो रहे हैं।